# सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की



प्रसन्नता पहले से निर्मित कोई चीज नहीं है। ये आप ही के कर्मों से आती है।
-दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 125 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 11 जून, 2026

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग :हैरी ब्रूक बने नंबर- 7 | राजस्थान, पंजाब व मप्र में सवाल ही... 3 | भ्रष्टाचार और लूट भाजपा का मुख्य... 2


# नामांकन खत्म मतलब लोकतंत्र खत्म!

# चुनाव नहीं चयन का अधिकार निशाने पर

- » गुजरात ताल्लुका चुनाव में 700 से ज्यादा प्रत्याशी बिना लड़े ही जीत गये थे चुनाव
- » अगर विपक्ष मैदान में ही न उतरे तो चुनाव किससे होगा?
- » **नटराजन का आरोप**- बीजेपी कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं रिटार्निंग आफिसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकतंत्र की हत्या टैंकों और बंदूकों से ही नहीं बल्कि कई बार कागज के एक टुकड़े से भी हो जाती है। वही कागज का टुकड़ा जिसे हम नामांकन पत्र कहते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और पूरी दुनिया भारत के इस दावे को स्वीकार करती है। लेकिन आज सवाल उठ रहे हैं कि क्या लोकतंत्र सिर्फ मतदान का नाम है या फिर जनता के सामने विकल्प मौजूद रहने का भी नाम है? क्योंकि अगर विकल्प ही खत्म कर दिए जाएंगे तो वोट डालने का अधिकार भी बेमानी हो जाता है।

कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट की चौखट तक पहुंच चुका है। अदालत तय करेगी कि उनके साथ न्याय हुआ या अन्याय। कल शीर्ष अदालत में सुनवाई होगी। लेकिन इस विवाद ने देश के सामने एक ऐसा सवाल खड़ा कर दिया है जो किसी एक नेता किसी एक पार्टी या किसी एक चुनाव से कहीं बड़ा है...। अप्रैल-26 में गुजरात के नगरपालिका जिला पंचायत और तालुका पंचायत चुनावों में 717 उम्मीदवार बिना मुकाबले के ही विजेता घोषित कर दिए गए। न कोई चुनावी जंग हुई न जनता को फैसला सुनाने का मौका मिला। लोकतंत्र का अंतिम अध्याय शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया। चिंता यही से शुरू होती है कि क्या लोकतंत्र की असली ताकत वोट नहीं बल्कि विकल्प है। जनता तभी मालिक होती है जब उसके सामने चुनने के लिए कई दरवाजे खुले हों। लेकिन यदि कोई व्यवस्था, कोई प्रक्रिया या कोई राजनीतिक खेल उन दरवाजों को एक-एक कर बंद करने लगे तो फिर मतदान केंद्रों पर लगने वाली लंबी कतारें भी लोकतंत्र को जीवित नहीं रख सकतीं।

## सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

मध्य प्रदेश से अपनी राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने के खिलाफ कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उम्मीद की जा रही है कि आज कोर्ट की वेकेशन बेंच के सामने इस मामले पर जल्द सुनवाई के लिए इसे उठाया जाएगा। भाजपा की आपत्तियों के बाद रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र रद्द करने के बाद कांग्रेस ने उठाया है।



"दुर्भाग्य से हमारे संविधान बनाने वाले पूर्वजों ने जो संस्थाएं बनायी थीं उनका अब अनादर हो रहा है और वह इस तरह से प्रभावित दिखती हैं कि हमें लगता है कि हम उनके खिलाफ भी लड़ रहे हैं।"
**मीनाक्षी नटराजन**

## मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन खारिज होने का मामला सुप्रीम कोर्ट में, कल होगी सुनवाई

### औपचारिक रस्म बनकर रह जाएगा लोकतंत्र!

देश में पिछले कुछ वर्षों से नामांकन प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि चुनावी लड़ाई अब जनता के बीच कम और नामांकन की मेजों पर ज्यादा लड़ी जा रही है। मीनाक्षी नटराजन का मामला और गुजरात के सैकड़ों निर्विरोध विजेता इसी बहस को और गहरा कर रहे हैं। सवाल सीधा है कि अगर चुनाव लड़ने का अधिकार ही विवादों में घिर जाए अगर उम्मीदवार मैदान में उतरने से पहले ही बाहर हो जाएं अगर जनता के सामने विकल्प सिकुड़ते चले जाएं तो क्या लोकतंत्र सिर्फ एक औपचारिक रस्म बनकर नहीं रह जाएगा? क्योंकि लोकतंत्र तब नहीं मरता जब लोग वोट डालना छोड़ देते हैं। लोकतंत्र तब मरना शुरू होता है जब लोगों के पास चुनने के लिए कोई बचता ही नहीं।

### लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक संदेश

मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन खारिज किए जाने के मामले के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने पर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने न्यायपालिका से सकारात्मक फैसले की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से हमें न्याय मिलेगा। जिस तरह से भाजपा अब वोट चोरी ही नहीं बल्कि सीट चोरी पर भी उतर आई है वह लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक संदेश है। लोकतंत्र अब हिटलरशाही की ओर बढ़ रहा है, जहां विपक्ष के नामांकन तक को खारिज किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मीनाक्षी नटराजन के मामले में जिस आधार पर नामांकन रद्द किया गया उसी तरह की आपत्ति झारखंड में एक व्यापारी के खिलाफ भी उठाई गई थी लेकिन उन्हें समय देकर उनका नामांकन स्वीकार कर लिया गया। राजपूत ने आरोप लगाया कि यह शासन और सत्ता की दोमुंही व्यवस्था को दर्शाता है। चुनाव आयोग भी निंदनीय भूमिका निभा रहा है। हमें पूरी उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा।

## संवैधानिक संस्थाओं का अनादर हो रहा है : नटराजन

मीनाक्षी नटराजन ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि हम एक ऐसे रणक्षेत्र में हैं जहां कांग्रेस नेता न सिर्फ विपक्षी पार्टी के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से हमारे संविधान बनाने वाले पूर्वजों ने जो संस्थाएं बनायी थीं उनका अब अनादर हो रहा है और वह इस तरह से प्रभावित दिखती हैं कि हमें लगता है कि हम उनके खिलाफ भी लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई फॉर्म भरना कैसे नहीं जान सकता? इसमें कुछ भी कानूनी या तकनीकी नहीं है। यह सिर्फ राजनीतिक दुर्भावना है जो हमने कल हर कदम पर देखी कि कैसे लोकतंत्र को कमज़ोर करने की कोशिशें की जा रही थीं। भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहूंगी कि कल रिटर्निंग ऑफिसर निष्पक्ष नहीं थे। वह मौजूदा सरकार के प्रवक्ताओं और उनके फ्रंटल संगठनों के प्रमुखों की तरह काम कर रहे थे।

## कानूनी मामले की जानकारी न देने के चलते रद्द हुआ नामांकन

बीजेपी का दावा है कि कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन ने अपने नामांकन पत्रों के साथ दिए गए हलफनामे में तेलंगाना में चल रहे एक कानूनी मामले के बारे में जानकारी नहीं दी थी। नटराजन के नामांकन के खिलाफ दायर आपत्ति के अनुसार पूर्व कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव ए श्रीलता ने चौथे अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर की है। उनका आरोप है कि नटराजन ने कुंभम शिवकुमार रेड्डी को राजनीतिक संरक्षण दिया था जिन पर श्रीलता ने छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि नटराजन ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश करार दिया है और हैदराबाद की अदालत में श्रीलता की याचिका का विरोध करते हुए कहा है कि यह उनकी छवि खराब करने की कोशिश है। इससे पहले नटराजन ने आरोप लगाया था कि रिटर्निंग ऑफिसर सरकार के इशारे पर काम कर रहे थे। नटराजन मध्य प्रदेश से कांग्रेस की एकमात्र राज्यसभा उम्मीदवार थीं लेकिन भाजपा की ओर से एक बड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद उनके नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए। भाजपा का आरोप था कि उन्होंने तेलंगाना की अदालत में लंबित एक मामले के बारे में जानकारी छिपाई थी।

# भ्रष्टाचार और लूट भाजपा का मुख्य एजेंडा : अखिलेश

## सपा प्रमुख बोले- इस सरकार में कमीशनखोरी चरम पर

» कार्यकर्ता अपनी भाषा संयमित रखें

» परीक्षार्थियों के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं कर पाई सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

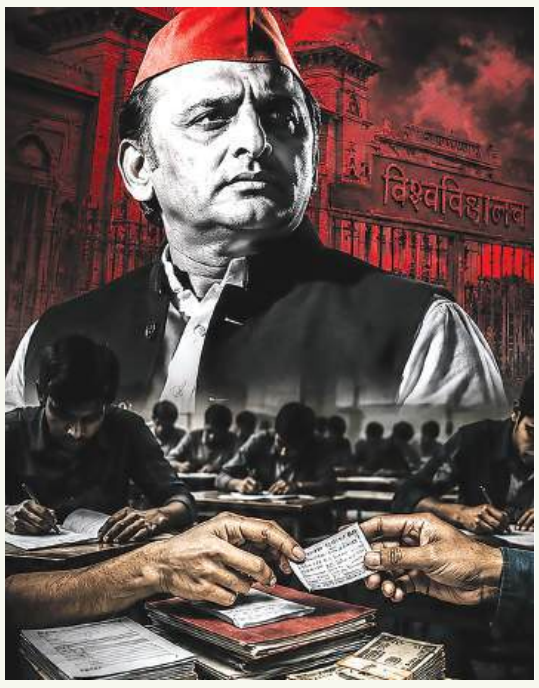


लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला जारी है। यूपी के सीएम ने कहा कि इस सरकार में कमीशनखोरी चरम पर है। भ्रष्टाचार और लूट भाजपा का मुख्य एजेंडा है। अवैध खनन जमकर फलफूल रहा है। अखिलेश यादव प्रदेश सपा मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है।

हर दिन जघन्य हत्याएं हो रही है। अपराधी बेखौफ हैं। गोरखपुर की चार लेन लिंक रोड में जमकर गोरखधंधा चला। 90 किलो मीटर सड़क बनाने में 7 हजार करोड़ रुपये की लूट-खसोट हुई। उन्होंने कहा कि इसी तरह से लखनऊ में 40 किलोमीटर के ग्रीन कारीडोर के लिए 7 हजार करोड़ रुपये लगा दिए गए। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपनी भाषा और व्यवहार ठीक रखें। 27 में जनता भाजपा को हराने जा रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि युवाओं के लिए परीक्षा देना भी एक परीक्षा बन गया है। परीक्षार्थियों के लिए आवागमन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। परीक्षा सेंटरों पर छाया और पानी व अन्य सुविधाओं की भारी कमी है। इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्दशा के लिए भाजपा सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। परीक्षाओं के बाद बस स्टेशनों और रेलवे स्टेशनों के जिस तरह के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वह हैरान करने वाले हैं।

### 10 साल में नौजवानों को धोखा और झूठे वादों के सिवा कुछ नहीं दिया

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। भाजपा सरकार ने बेरोजगारी को चरम पर पहुंचा दिया है। कुछ हजार सीटों के लिए लाखों लाख की संख्या में नौजवानों का परीक्षाओं में शामिल होना यह दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी ने भयावह रूप धारण कर लिया है। भाजपा सरकार में 10 साल में नौजवानों को धोखा और झूठे वादों के सिवा कुछ नहीं दिया।

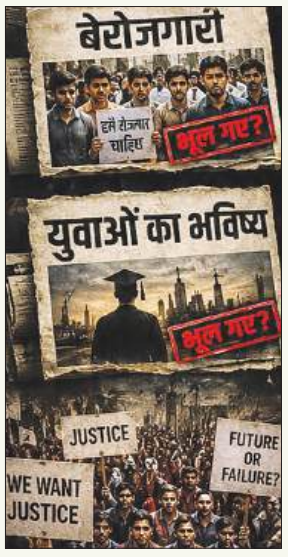


### खिलाड़ियों को किया सम्मानित

अखिलेश यादव ने बुधवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के विजेताओं को सम्मानित किया। तीसरी स्वामी विवेकानंद ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप मथुरा-वृंदावन में 5-7 जून को हुई थी। इसमें सिद्धार्थनगर के देवम पासवान को स्वर्ण पदक, डुमरियागंज के समर वर्मा को कांस्य पदक और कपिलवस्तु के राजेश यादव और प्रिया जायसवाल को भी कांस्य पदक मिला है। इस अवसर पर बांसी सिद्धार्थनगर के ताइक्वांडो कोच दिलीप कुमार पासवान भी मौजूद थे। उधर, सपा अध्यक्ष ने मऊ के छात्र हिमांशु यादव को लैपटॉप देकर सम्मानित किया।

# मेरे पिता लालू मेरे लिए ढाल बन कर खड़े हैं : रोहिणी

» राजद सुप्रीमो लालू के जन्मदिन पर आई सीएम सम्राट समेत कई नेताओं की बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी प्रमुख लालू यादव का आज (गुरुवार) जन्मदिन है और इस मौके पर बधाई का तांता लगा है। देर रात राबड़ी आवास के बाहर आरजेडी के कार्यकर्ताओं ने केक भी काटा।

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी बड़ा संदेश दिया है, उन्होंने अपने एक्स हैंडल से लालू संग एक तस्वीर शेयर की है, लिखा है, आज आपके जन्मदिन पर मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि मेरी जिंदगी में आपका स्थान कोई और नहीं ले सकता, आपने हर कदम पर मेरा हाथ थामा, मुझे गिरकर संभलना और चलना सिखाया और हर मुश्किल में मेरी ढाल बनकर खड़े रहे। इस बीच बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की बधाई भी आई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट कर लालू यादव को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लिखा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्री लालू प्रसाद यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. प्रभु से आपके स्वस्थ, दीर्घ एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना करता हूं।

### जम्मू-कश्मीर में राज्य दर्जे की बहाली पर सियासी पारा चढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर । फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया है और वे इसे पूरा करने की बात कह चुके हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य दर्जे की बहाली की मांग को लेकर संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। अनंतनाग जिले में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वे केंद्र सरकार से अपने वादे को पूरा करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में उमर अब्दुल्ला से कहा है कि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का अपना वादा निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने उमर से कहा है कि वे अपना वादा पूरा करेंगे। हम इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम सिर्फ बिजनेस रूल्स ही नहीं, बल्कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी कर रही है।

# प्रधान इस्तीफा दें, अब युवा पीछे नहीं हटेंगे : अभिजीत दीपके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षाओं में बार-बार हुई गड़बड़ियों से देश भर के लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। दीपके ने यहां प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश के युवा अब छात्रों से जुड़े मुद्दों पर चुप नहीं रहेंगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं तो देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''एक बात तो अब साबित हो गई है... इस देश के युवा अब डरेंगे नहीं और पीछे नहीं हटेंगे। अब तक, नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों के कारण कई छात्र कथित तौर पर आत्महत्या कर चुके हैं।'' दीपके ने दावा किया कि नीट, सीबीएसई और सीयूईटी जैसी परीक्षाओं से जुड़ी समस्याओं के कारण एक करोड़ से ज्यादा छात्र परेशान हुए हैं। इस स्थिति की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई भी तैयार नहीं है।

### हम देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे

बड़े आंदोलन की अपनी योजना के बारे में उन्होंने कहा कि अगर प्रधान पद नहीं छोड़ते हैं, तो 20 जून को देश भर से युवा दिल्ली में इकट्ठा होंगे। दीपके ने कहा, ''मैं खुद इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होऊंगा और लोगों से राष्ट्रीय राजधानी आने की अपील करूंगा। अगर धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते हैं, तो देश भर से छात्र एवं युवा दिल्ली आएंगे और उनके इस्तीफे के बिना वापस नहीं लौटेंगे।

# मैं बहुत कमजोर आदमी हूँ, सच बोला तो परेशानी में पड़ जाऊंगा : बृजभूषण शरण सिंह

» पूर्व सासंद ने राम मंदिर चढ़ावे के विवाद पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर में चढ़ावे के कथित दुरुपयोग और चोरी के आरोपों पर एक बेहद चौंकाने वाला बयान दिया है। जिले के विश्नोहरपुर स्थित अपने पैतृक आवास पर कहा कि वह इस पूरे विषय पर बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन फिलहाल सच बोलने की स्थिति में नहीं हैं।

अयोध्या में राम मंदिर के दान में कथित गबन (गड़बड़ी) को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी विवाद के बीच पूर्व कुश्ती संघ अध्यक्ष की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे रही है। बृजभूषण सिंह ने कहा, ''मैं बहुत कमजोर आदमी हूं। अगर मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं। सच बोलने की हिम्मत अभी मेरे अंदर नहीं है। कभी समय आएगा तो बोलूंगा।''उन्होंने यह निर्दिष्ट नहीं किया कि वे से उनका तात्पर्य किससे है। सिंह की टिप्पणी अयोध्या में राम मंदिर के दान में कथित गबन को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आई है। गांव लौटे बृजभूषण ने राजनीतिक और सामाजिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से वह कई जटिल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

### किसी मंत्री के इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव करते हुए बृजभूषण सिंह ने कहा कि किसी मंत्री के इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के पीछे एक संगठित तंत्र है जिसमें विभिन्न स्तरों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी मंत्री के इस्तीफा देने से भविष्य में पेपर लीक रुकने की गारंटी दी जा सकती है।

# कांग्रेस में नहीं थम रहा बवाल

## राजस्थान, पंजाब व मप्र में सवाल ही सवाल

» पूर्व सीएम गहलोत ने अध्यक्ष प्रकरण याद दिला कर हाईकमान को डाला असमंजस में

» पंजाब में अमरिंदर को लेकर बयानबाजी

» मप्र में रास चुनाव प्रत्याशी व बीजेपी पर रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक तरफ कांग्रेस इंडिया गठबंधन में अपने साथी दलों के साथ बैठक करके अपनी ताकत बढ़ाने के प्रयास में फिर जुट गई है। पर इस बैठक से पहले कांग्रेस के राजस्थान, मप्र व पंजाब में राज्य के नेताओं के बयान से बवाल मचा हुआ है। जहां राजस्थान में अशोक गहलोत ने कहा कि यदि सोनिया गांधी और कांग्रेस नेतृत्व उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहता तो वह कभी इंकार नहीं करते।

उन्होंने यह भी कहा कि परिस्थितियां इस तरह बनाई गईं कि लोगों के बीच यह धारणा बन गई कि वह मुख्यमंत्री पद छोड़ना नहीं चाहते थे। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर अशोक गहलोत और सचिन पायलट के रिश्तों को लेकर बहस तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने ताजा बयान के जरिए जिस तरह साल 22 के राजनीतिक संकट, मानेसर प्रकरण और कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव का मुद्दा उठाया है, उसने साफ संकेत दे दिया है कि राजस्थान कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान अभी खत्म नहीं हुई है। हम आपको बता दें कि अशोक गहलोत ने न केवल अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देने की कोशिश की, बल्कि यह भी जताया कि राजस्थान की राजनीति में उनकी भूमिका और प्रभाव को नजरअंदाज करना आसान नहीं है। वहीं पंजाब राजा वड़िंग ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी की बात पर कटाक्ष करके चुनावी साल में माहौल गर्मा दिया है। वहीं मप्र में रास चुनाव में कुछ उम्मीदवारों के चयन राज्य की ईकाई में बयानबाजी होने लगी है।

### मप्र में कांग्रेस को सताया रास चुनाव क्रॉस वोटिंग का डर

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के निर्वाचन के लिए भारतीय जनता पार्टी ने सभी पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। तीसरे कैंडिडेट का ऐलान, बीजेपी ने नामांकन के आखिरी दिन यानी 8 जून को किया। बीजेपी के इस ऐलान के बाद अब राज्य में राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान अनिवार्य हो गया है। उधर, बीजेपी के इस ऐलान के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई की टेंशन बढ़ती दिख रही है। एमपी कांग्रेस चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि बीजेपी, लोकतंत्र की हत्या कर रही है।

## जो कुछ हुआ हाईकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था : गहलोत

गहलोत ने कहा कि यदि सोनिया गांधी और कांग्रेस नेतृत्व उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहता तो वह कभी इंकार नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा कि परिस्थितियां इस तरह बनाई गईं कि लोगों के बीच यह धारणा बन गई कि वह मुख्यमंत्री पद छोड़ना नहीं चाहते थे। गहलोत ने कहा कि उस समय जो कुछ हुआ वह हाईकमान के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि विधायकों की भावनाओं का विस्फोट था, जो सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना से असहज थे। हम आपको याद दिला दें कि सितंबर 2022 का संकट कांग्रेस के लिए बड़ा मोड़ साबित हुआ था। उस समय लगभग तय माना जा रहा था कि अशोक गहलोत दिल्ली जाकर कांग्रेस अध्यक्ष पद की कमान संभालेंगे और राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन होगा। सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने

की चर्चा भी तेज थी। लेकिन अचानक गहलोत समर्थक विधायकों ने इस्तीफे की पेशकश कर दी और कांग्रेस पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक तक नहीं हो सकी। इसके बाद कांग्रेस नेतृत्व की पूरी योजना बदल गई और अंततः मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस अध्यक्ष बने थे।

### भाजपा ने तीसरा उम्मीदवार उतार लोकतंत्र को मसला : पटवारी

एमपीपीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने बीजेपी के तीसरे उम्मीदवार की घोषणा पर कहा, यह मध्य प्रदेश की जनता को समझने की आवश्यकता है। जब तीसरे कैंडिडेट की घोषणा भारतीय जनता पार्टी ने की, तो बहुत मंथन के बाद की। दिल्ली से परमिशन ली, पूरा नेतृत्व उसमें शामिल हुआ। इसका

मतलब यह है कि जो क्राइम है, वह लोकतंत्र की बार-बार हत्या है। तीसरी बार, तीसरा उम्मीदवार यानी तीसरी बार विधायकों की चोरी का प्रयास।

### भाजपा के पहले ही दो उम्मीदवारों तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल मैदान में

मध्य प्रदेश में भाजपा पहले ही दो उम्मीदवारों, तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल, को मैदान में उतार चुकी है, जबकि कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को अपना उम्मीदवार बनाया है। इस बीच, ऐसी अटकलें भी लगाई जा रही थीं कि भाजपा एक और उम्मीदवार उतार सकती है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि सोमवार है, जबकि राज्यसभा चुनाव 18 जून को होने हैं। जहां मध्य प्रदेश भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता है, जहां वह अपना प्रभाव और बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

## पायलट के प्रति नरम भाषा भी अपनाई

दिलचस्प बात यह है कि गहलोत ने पायलट के प्रति नरम भाषा भी अपनाई। उन्होंने कहा कि वह पायलट को बचपन से जानते हैं और आज भी उनके साथ हंसते बोलते हैं। लेकिन इसके साथ उन्होंने यह भी दोहराया कि मानेसर जाने और सरकार संकट में डालने की गलती पायलट पक्ष की थी। यानी उन्होंने रिश्तों में नरमी दिखाई, लेकिन राजनीतिक दूरी बनाए रखी। यही शैली गहलोत की राजनीति की पहचान रही है। इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा पहलू मल्लिकार्जुन खरगे से भी जुड़ता है। कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद खरगे ने संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत की है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि राजस्थान में भी

संगठनात्मक बदलावों को लेकर उनकी राय निर्णायक हो सकती है। गहलोत शायद यह महसूस कर रहे हैं कि पार्टी में नई शक्ति संरचना बन रही है, जिसमें सचिन पायलट का कद बढ़ सकता है। इसलिए वह समय रहते यह जताना चाहते हैं कि राजस्थान की राजनीति में उनकी अनदेखी आसान नहीं होगी। कुल मिलाकर देखें तो अशोक गहलोत के बयान यह संकेत देते हैं कि राजस्थान कांग्रेस में अंदरूनी संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। यह बयान कांग्रेस हाईकमान के लिए संदेश भी है, पायलट खेमे के लिए चेतावनी भी और अपने समर्थकों के लिए भरोसे का संकेत भी। आने वाले वर्षों में राजस्थान कांग्रेस का नेतृत्व किस दिशा में जाएगा, यह काफी हद तक इसी शक्ति संतुलन पर निर्भर करेगा।

## सोच समझकर गहलोत ने दिया बयान

अब जब गहलोत इस पूरे घटनाक्रम को फिर से सामने ला रहे हैं, तो इसके पीछे केवल आत्मरक्षा नहीं बल्कि गहरा राजनीतिक संदेश भी दिखाई देता है। खासकर ऐसे समय में जब कांग्रेस संगठन में मल्लिकार्जुन खरगे का प्रभाव लगातार मजबूत हो रहा है और राहुल गांधी भी पहले की तुलना में अधिक सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। पार्टी के भीतर यह चर्चा भी तेज है कि सचिन पायलट को राजस्थान में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है, यहां तक कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए भी उनका नाम लिया जा रहा है। यही वजह है कि राजनीतिक विश्लेषक अशोक गहलोत के बयानों को उनकी राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन की कोशिश के रूप में देख रहे हैं। गहलोत यह याद दिलाना चाहते हैं कि राजस्थान कांग्रेस में आज भी बड़ी संख्या में विधायक और कार्यकर्ता उनके साथ खड़े हैं। वह कांग्रेस नेतृत्व को यह संकेत देना चाहते हैं कि राज्य की राजनीति को केवल दिल्ली से तय नहीं किया जा सकता। राजस्थान की राजनीति में जादूगर के नाम से मशहूर गहलोत ने अपने बयान में यह भी कहा कि सचिन पायलट को मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उन्होंने दुख जताया कि पायलट ने कभी सार्वजनिक रूप से इसका

> “पार्टी के भीतर यह चर्चा भी तेज है कि सचिन पायलट को राजस्थान में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है, यहां तक कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए भी उनका नाम लिया जा रहा है। यही वजह है कि राजनीतिक विश्लेषक अशोक गहलोत के बयानों को उनकी राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन की कोशिश के रूप में देख रहे हैं।”

उल्लेख नहीं किया। यह बयान केवल भावनात्मक नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल गहलोत एक तरफ यह दिखाना चाहते हैं कि उन्होंने हमेशा पायलट को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, दूसरी तरफ वह यह भी संदेश दे रहे हैं कि राजनीतिक रिश्तों में विश्वास और स्वीकार्यता की कमी रही।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठना जायज

**चीन में होने वाली दुनिया की सबसे कठिन परीक्षा गाओकाओ का पेपर कभी लीक नहीं होता। यहां मिलिट्री-ग्रेड सुरक्षा प्रदान की जाती है और धांधली करने पर सात साल तक की जेल का प्रावधान है। भारत में भी इसी तरह इस गहरे संकट से उबरने के लिए आमूलचूल और क्रांतिकारी परिवर्तन की आवश्यकता है।**

*जिस तरह से हर परीक्षा में कुछ न कुछ गड़बड़ी सामने आ रही है। वह सरकार की नाकामी को दर्शाता है। सबसे बड़ी विंडबना है कि कमिंया सरकार की एजेंसी नहीं पकड़ पा रही है बल्कि प्रतिभागी छात्र पकड़ रहे हैं इसी से सरकार की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के संदर्भ में यह कड़वी हकीकत सामने आई कि प्रश्नपत्रों की सुरक्षा बाहरी ताकतों से ज्यादा आंतरिक तंत्र की विफलता के कारण ध्वस्त हुई। इसमें पेपर सेंटर्स, विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करने वाले ट्रांसलेटर्स और प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारियों की मिलीभगत पाई गई है। भारतीय परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली में सेंधमारी या तकनीकी लापरवाही कोई अचानक उपजी समस्या नहीं है, बल्कि यह दशकों से संचित हो रही व्यवस्थागत कमियों का परिणाम है। जब लाखों छात्र कुछ हजार सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो परीक्षा का दबाव अमानवीय स्तर तक बढ़ जाता है। इस दबाव ने अनैतिक और समानांतर कोचिंग-माफिया बाजार को जन्म दिया है। कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए जिन निजी केंद्रों को अनुबंधित किया जाता है, वहां सुरक्षा के कड़े मानकों और सुदृढ़ आइटी इन्फ्रास्ट्रक्चर का अभाव होता है। हाल ही आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (यूजी) 26 परीक्षा में सामने आया संकट इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जहां केंद्रीय सर्वर और सॉफ्टवेयर कंपोनेंट्स में तकनीकी खराबी के कारण पहली शिफ्ट की परीक्षा कई केंद्रों पर 2 से 4 घंटे तक देरी से शुरू हुई।*

*परीक्षा वेंडर के केंद्रीय सिस्टम में खराबी आना दर्शाता है कि राष्ट्रीय स्तर की बड़ी परीक्षाओं को संभालने के लिए हमारा वर्तमान डिजिटल ढांचा अभी भी पूरी तरह से फॉल्ट-टोलरेंट नहीं है। सीबीएसई पर यह गंभीर आरोप लगे हैं कि उन्होंने उत्तर पुस्तिकाओं की प्रॉपर स्कैनिंग किए बिना ही उनका डिजिटल मूल्यांकन कर दिया। पुनर्मूल्यांकन के बाद विद्यार्थियों के अंकों में 20 से 30 नंबर तक की भारी बढ़ोतरी होना इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि स्कैनिंग और चेकिंग के स्तर पर घोर प्रशासनिक और तकनीकी लापरवाही बरती जा रही है। मानवीय लालच और व्यवस्था की कमियां दुनिया के अन्य विकसित और विकासशील देशों में भी मौजूद हैं, किंतु उनके निपटने के तरीके और सजा के प्रावधान हमसे भिन्न हैं। चीन में होने वाली दुनिया की सबसे कठिन परीक्षा गाओकाओ का पेपर कभी लीक नहीं होता। यहां मिलिट्री-ग्रेड सुरक्षा प्रदान की जाती है और धांधली करने पर सात साल तक की जेल का प्रावधान है। भारत में भी इसी तरह इस गहरे संकट से उबरने के लिए आमूलचूल और क्रांतिकारी परिवर्तन की आवश्यकता है। यह समाधान तीन स्तरों पर काम करेगा। ब्लॉकचेन आधारित प्रश्न बैंक का प्रयोग किया जाना चाहिए क्योंकि इसके भीतर दर्ज डेटा को बदला या मिटाया नहीं जा सकता। यदि सभी संभावित प्रश्नों को ब्लॉकचेन नेटवर्क पर सुरक्षित कर दिया जाए, तो किसी भी केंद्रीय डेटाबेस को हैक करना लगभग असंभव होगा।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# कॉकरोच पार्टी के मुद्दे और पंजाब में उनकी प्रासंगिकता

निर्मल संधू

भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई एक टिप्पणी, शायद गैर-इरादतन, के परिणामस्वरूप 'कॉकरोच जनता पार्टी' का अप्रत्याशित उद्भव हुआ है, पहले डिजिटल स्वरूप में और अब साक्षात रूप में भी। इसने युवाओं को अपनी ओर खींचा है, खासकर उन्हें जो शिक्षा में हुई धांधलियों से नाराज हैं या जो बेरोजगार हैं या जो कम तन्खवाह की नौकरियों में जीवन निर्वाह के लिए जूझ रहे हैं। पंजाब को ज्यादा चिंता करनी चाहिए क्योंकि अक्टूबर-दिसंबर 2025 के अवधिक श्रम सर्वे के मुताबिक, सूबे की युवा बेरोजगारी दर 19 फीसदी के साथ काफी अधिक है। चिंतनीय, कि यह अखिल भारतीय औसत (14.8 प्रतिशत) से ज्यादा है। इसकी तुलना में, हरियाणा में बेरोजगारी दर घटकर 12.4 फीसद रह गई। ऐसा क्यों है, यह सवाल पंजाबी पूछ सकते हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिन्हें मीडिया की सुर्खियों में रहना पसंद है और जो अकसर अकाली और कांग्रेस विरोधियों का मजाक उड़ाते हैं, शायद इसका जवाब न दे पाएं। वे करीब 66,000 नौकरियां देने की शेखी बघारते हैं, लेकिन उस दौरान सेवानिवृत्त हुए लोगों की वजह से पैदा रिक्तियों की बात नहीं करते। नौकरियां तब पैदा होती हैं, जब विकास हो। पंजाब की 6.1 विकास दर राष्ट्रीय औसत 7.4 फीसदी से नीचे है। जबकि रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते भारत की सकल घरेलू उत्पाद दर को घटाकर 6.6 फीसदी किया है। खाद की कमी और महंगे हुए वाहन ईंधन की वजह से खेती और उद्योगों पर पड़ने वाले प्रभाव से पंजाब को बड़ा नुकसान हो सकता है। महंगाई दर बढ़ने से सामाजिक चिंताएं बढ़ेंगी। युवाओं के लिए स्थिति कुल मिलाकर बदतर होती जा रही है। डॉलर के मुकाबले गिरता रुपया जहां विदेश यात्रा और पढ़ाई को मध्य वर्ग की पहुंच से बाहर कर रहा वहीं विदेश जाकर बसने के लिए कनाडा व अमेरिका जैसे उनके पसंदीदा देश आप्रवासियों के लिए द्वार बंद कर रहे हैं। ब्रेन ड्रेन के नुकसान को एक तरफ रखें तो अगर इन देशों ने महत्वाकांक्षी युवा पंजाबियों को पलायन के बेहतर रास्ते मुहैया न कराए होते तो पंजाब में गंभीर सामाजिक उथल-पुथल देखने को मिल सकती थी।

बिगड़ते आर्थिक माहौल और सिकुड़ती विदेशी राहों के असर का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं। लेकिन क्या पंजाब इस उभरती कड़वी सच्चाई का सामना करने को तैयार है? अपने भविष्य को लेकर उम्मीदें खोकर, युवा नशीले पदार्थों की ओर रुख करते हैं या

कभी-कभार बंदूक उठा लेते हैं। नशा और गैंगस्टर रूपी समस्याएं समाज-व्यवस्था में व्याप्त सड़न की ओर इशारा करती हैं। सरकारी एजेंसियां सिर्फ लक्षणों से जूझ रही हैं। वही नेता, जिनके पास पुराने समाधान हैं, समस्याओं का निदान नहीं कर सकते। बीते शनिवार दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के धरने ने राजनीतिक वर्ग के प्रति युवाओं का अविश्वास दर्शाया। ऐसे लोकतांत्रिक आंदोलन कभी-कभी नूतन विचार युक्त नए नेता उभारते हैं। 'कॉकरोच जनता पार्टी' की लोकप्रियता सियासी दलों को पुराने नेताओं की जगह नए होनहार चेहरे लाने को मजबूर कर सकती है। युवाओं के मुद्दे अभी न तो पंजाब में विपक्षी दलों की चुनाव नीति में शामिल हैं और न ही सत्ताधारी 'आप' की। अधिकांशत: काम चलाऊ फौरी समाधानों के भरोसे रहकर भगवंत मान बड़ी गलती कर रहे हैं। मुफ्त की रेवड़ियां लुटाकर, वे भविष्य की जलधारा में छिपे हिम-शैलों को नजरअंदाज कर, नाजुक किश्ती पर सवार हैं। वोटरों पर लुटाया जाने वाला पैसा, ठप पड़े उद्योगों, ठहरी हुई खेती और खराब सेवाओं में फिर से जान फूंकने में खर्च किया जाना चाहिए। अगर सीमित साधनों का इस्तेमाल समझदारी से विकास करने पर किया जाए, तो राजनीतिक फायदा होने में समय अवश्य लग सकता है लेकिन मिलता जरूर है। केवल अर्थपूर्ण एवं गुणवत्ता वाली कारगुजारी ही समृद्धि व कर-वसूली बढ़ा सकती है, जिससे राज्य को जरूरतमंदों की मदद करने में सहायता मिल सकती है। कर्ज लेकर भलाई कार्य करना सामान्य समझ से परे है। सबको मुफ्त में रेवड़ी बांटना अकर्मण्यता को बढ़ावा देता है।

खाते-पीते पंजाबी भी राज्य पर निर्भर होकर आत्म-सम्मान खो रहे। कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी ने इस बिंदु को जोर देकर उठाया है। लगता है, सियासी दल अतीत से कुछ नहीं सीख रहे। उदार सब्सिडी और करदाताओं के पैसे का भारी मात्रा में इस्तेमाल खुद के प्रचार, वीआईपी सुरक्षा और हेलीकॉप्टर पर करने के बावजूद, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और कैप्टन अमरिंदर सिंह, दोनों ही, चुनाव हार गए थे। हालिया निकाय चुनाव सबूत हैं कि 2027 के विधानसभा संग्राम में असल मुकाबला आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच होगा। यदि भाजपा पंजाब के लिए कोई भरोसेमंद आर्थिक मॉडल प्रस्तुत कर पाए, तभी सत्ता की गंभीर दावेदार बन सकती है।

# रेडियो ने एकता के सूत्र में पिरोया देश को

पार्थ सारथी थपलियाल

'दिस इज ऑल इंडिया रेडियो...' यह वाक्य केवल एक उद्घोषणा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की स्मृतियों, संवेदनाओं और राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न हिस्सा है। रेडियो ने भारत को केवल समाचार नहीं दिए, बल्कि उसे एक सूत्र में पिरोने, संस्कृति को संरक्षित करने, लोकतंत्र को मजबूत बनाने और संकट के समय जनविश्वास कायम रखने का कार्य किया। 8 जून 1936 को इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस का नाम बदलकर ऑल इंडिया रेडियो रखा गया था। इस संस्था ने अपनी गौरवशाली 90 वर्ष की यात्रा पूरी कर ली है। भारत में रेडियो प्रसारण की शुरुआत 1921 से 1924 के मध्य रेडियो क्लबों के माध्यम से शुरू हुई। 23 जुलाई, 1927 को इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने बंबई और कलकत्ता से नियमित प्रसारण प्रारंभ किया।

आर्थिक कठिनाइयों के कारण यह व्यवस्था अधिक समय तक नहीं चल सकी। वर्ष 1932 में भारत की अंग्रेज सरकार ने इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस नाम से प्रसारण व्यवस्था अपने हाथ में ले ली। सितंबर, 1935 में एक अंग्रेज ब्रॉडकास्टर लियोनेल फील्डन को लंदन से भारत बुलाकर प्रसारण नियंत्रक बनाया गया। उन्होंने 1 जनवरी, 1936 को दिल्ली के 18, अलीपुर रोड स्थित एक छोटे से भवन से इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस का संचालन शुरू किया। फील्डन को यह नाम आकर्षक नहीं लगता था। एक अवसर पर उन्होंने तत्कालीन वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो से अपनी समस्या साझा की। लिनलिथगो ने नया नाम सुझाया—'ऑल इंडिया रेडियो'। 8 जून, 1936 को पहली बार यह उद्घोषणा प्रसारित हुई और भारतीय प्रसारण इतिहास का नया अध्याय प्रारंभ हुआ। 90 वर्षों में आकाशवाणी भारत की संस्कृति, सभ्यता और देश की पहचान बनी, जिस पर प्रत्येक भारतीय गर्व करता है। ऑल इंडिया रेडियो ने भारत की संगीत और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में अमूल्य योगदान दिया। रेडियो नाटक जैसी नई विधा का विकास भी इसी माध्यम से हुआ।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में, विशेषकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के समय, भूमिगत रेडियो प्रसारणों ने जनचेतना को बल दिया। 3 जून, 1947 को भारत विभाजन की घोषणा प्रसारण भवन, दिल्ली से हुई। 14-15 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि को संविधान सभा से पंडित जवाहरलाल नेहरू का ऐतिहासिक 'नियति से मिलन' भाषण ऑल इंडिया रेडियो ने देश-दुनिया तक पहुंचाया। भारत विभाजन की त्रासदी के समय विस्थापित लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने और प्रशासनिक सूचनाएं और निर्देश देने में रेडियो ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 12 नवंबर, 1947 को महात्मा गांधी ने प्रसारण भवन, दिल्ली आकर कुरुक्षेत्र में बसे शरणार्थियों को संबोधित किया था। 12 नवंबर को लोकसेवा प्रसारण दिवस मनाने की घोषणा तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री सुषमा स्वराज ने की थी। स्वतंत्रता के बाद विविधताओं से भरे भारत को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य रेडियो ने किया। कृषि कार्यक्रमों ने किसानों तक वैज्ञानिक खेती की जानकारी पहुंचायी।

स्वास्थ्य, टीकाकरण, बाल कल्याण, पोलियो उन्मूलन और सामाजिक जागरूकता अभियानों में भी रेडियो प्रभावी माध्यम बना। 1952 से 1962 तक सूचना एवं प्रसारण मंत्री रहे बी.वी. केसकर के समय में शास्त्रीय और लोकसंगीत को विशेष महत्व मिला। फिल्मी गीतों की सीमित उपस्थिति के कारण श्रोताओं का रुझान रेडियो सीलोन की ओर बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप 1957 में विविध भारती प्रसारण सेवा शुरू की गई। पंडित नरेंद्र शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका से प्रारंभ हुई इस सेवा ने 'हवा महल', 'जयमाला', 'छायागीत' और 'भूले-बिसरे गीत' जैसे लोकप्रिय कार्यक्रम दिए। सैनिकों के लिए प्रसारित 'जयमाला' आज भी भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। 3 अक्टूबर, 1957 को ऑल इंडिया रेडियो का हिंदी नाम 'आकाशवाणी' रखा गया। वर्ष 1962 के चीन युद्ध, 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, कारगिल संघर्ष तथा अनेक प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों का सबसे भरोसेमंद माध्यम आकाशवाणी ही रही। आकाशवाणी को समृद्ध बनाने में लियोनेल फील्डन, बुखारी बंधु, जगदीश चंद्र माथुर, पंडित नरेंद्र शर्मा, सुमित्रानंदन पंत, हरिवंश राय बच्चन, उपेंद्र अश्क, पंडित रवि शंकर, अनिल विश्वास, मेलविल डी मेलो, गिरिजा कुमार माथुर, दुष्यंत कुमार, जसदेव सिंह, देवकीनंदन पाण्डेय, विनोद कश्यप, सुरजीत सेन, बोरुन हलदार और अनेक प्रतिभाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गत 90 वर्षों में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने, संसदीय गतिविधियों, निर्वाचन गतिविधियों, विकास योजनाओं और सरकारी नीतियां जनता तक पहुंचाने में रेडियो ने सेतु की भूमिका निभाई। विद्यालयी शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, विज्ञान प्रसार और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया। भूकंप, बाढ़, चक्रवात और महामारी जैसी परिस्थितियों में, जब अन्य संचार माध्यम बाधित हो जाते हैं, तब भी रेडियो प्रभावी ढंग से कार्य करता है। आकाशवाणी ने एफएम गोल्ड, एफएम रेनबो जैसी सेवाओं के माध्यम से नए श्रोताओं तक पहुंच बनाई। आज प्रसारण मोबाइल ऐप, वेब स्ट्रीमिंग, डिजिटल आर्काइव और ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स पर उपलब्ध हैं। जनता का विश्वास आकाशवाणी की सबसे बड़ी पूंजी है।

# सफेद बालों को काला बना सकती है फिटकरी!

## ऐसे करें प्रयोग

बालों के लिए फिटकरी का इस्तेमाल बहुत आसान है। इसके लिए फिटकरी लेकर उसे रातभर पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को छानकर बालों की जड़ों पर लगाएं। पूरे सिर पर समान रूप से लगाकर लगभग 30 मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद सिर्फ पानी से बाल धो लें। फिटकरी का इस्तेमाल करते समय कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। इसे आंखों के पास न लगाएं और स्कैल्प पर किसी प्रकार की एलर्जी या जलन होने पर तुरंत बंद कर दें। वहीं फिटकर के इस्तेमाल से सिर की जुओं से भी छुटकारा मिल सकता है। गर्मी के दिनों में यह भी एक कॉमन समस्या बन जाती है। दरअसल, पसीना, चिपचिपापन और सिर में बदबू की वजह से सिर में जुओं की समस्या होने लगती है। ऐसा खासकर महिलाओं और टीनेजर्स के साथ होता है। जुओ से छुटकारा पाने के लिए फिटकर का इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए, आपको चाहिए थोड़ा सा पानी, फिटकरी का पाउडर और तेल। इन्हें आपस में मिक्स कर लें और इस मिश्रण से बालों की अच्छी तरह मसाज करें। कुछ देर बाद हेयर वॉश कर लें। आप नोटिस करेंगे कि धीरे-धीरे सिर की जुएं खत्म हो गई हैं।

## फिटकरी के नुकसान

अधिक मात्रा में लगाने से बाल रूखे और बेजान लग सकते हैं। संवेदनशील स्कैल्प पर जलन या खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए हमेशा निर्धारित मात्रा में और हफ्ते में सीमित बार इसका उपयोग करना चाहिए। वहीं इन तमाम नुस्खों को आजमाने से पहले एक बार पैच टेस्ट जरूर कर लें। अगर फिटकरी लगाने से आपको स्कैल्प पर जलन या खुजली का एहसास हो, तो इसका इस्तेमाल न करें।

आजकल कम उम्र में बालों का सफेद होना युवाओं में आम समस्या बन गई है। इसके पीछे तनाव, पोषण की कमी, गलत लाइफस्टाइल और जेनेटिक कारण जिम्मेदार होते हैं। सफेद बाल की वजह से न केवल दिखने में उम्र बढ़ी लगती है, बल्कि कई लोगों के आत्मविश्वास को भी प्रभावित करते हैं। ऐसे में प्राकृतिक और घरेलू उपायों पर भरोसा करना सबसे सुरक्षित विकल्प होता है। इन्हीं नुस्खों में शामिल है फिटकरी का इस्तेमाल, जिसे अक्सर बालों को काला करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि फिटकरी बालों को काले और मजबूत बनाए रखने में मदद कर सकती है। सही तरीके से इसका उपयोग करने पर बालों की सेहत सुधरती है और समय से पहले सफेद होने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। पर, इसके इस्तेमाल के समय आपको काफी सावधानी बरतनी चाहिए। ध्यान रखें कि बालों में फिटकरी का इस्तेमाल हफ्ते में 2-3 बार किया जा सकता है। अगर आप इसका इस्तेमाल ज्यादा करेंगे तो इसकी वजह से बाल और भी ज्यादा डैमेज हो सकते हैं।

## फिटकरी के फायदे

ये बालों की जड़ को मजबूत बनाती है, समय से पहले सफेद होने की प्रक्रिया को धीमा करती है। इसके इस्तेमाल से बालों में प्राकृतिक चमक लाती है। इसके अलावा फिटकरी बालों के झड़ने की समस्या को नियंत्रित करने में कारगर साबित हो सकती है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं को इसका उपयोग केवल विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही करना चाहिए। हमेशा ताजा पानी में फिटकरी भिगोकर ही लगाएं और लंबे समय तक बालों में न छोड़ें। इसके अलावा फिटकरी डैंड्रफ के लिए कर सकते हैं। गर्मी के दिनों डैंड्रफ की प्रॉब्लम काफी ज्यादा होने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि गर्मी में पसीना खूब आता है, जिससे सिर में आसानी से गंदगी चिपक जाती है। नियमित रूप से बालों की साफ-सफाई न की जाए, तो बालों ऑयली हो जाते हैं और बालों का चिपचिपापन बढ़ जाता है। इसी वजह से बालों में डैंड्रफ की समस्या भी होने लगती है। फिटकरी के इस्तेमाल से इस समस्या से मुक्ति मिल सकती है। डैंड्रफ की समस्या कम करने के लिए चुटकी भर फिटकरी को अपने शैंपू में अच्छी तरह मिक्स कर लें। इससे हेयर वॉश करें। धीरे-धीरे डैंड्रफ की समस्या में कमी आने लगेगी।

## हंसना मना है

पापा- दिन भर फेसबुक पर बैठा रहता है, ये तुझे रोटी नहीं देने वाली, बेटा- पापा मुझे भी पता है रोटी नहीं देगी, पर रोटी बनाने वाली तो यही मिलेगी!

पहला सरदार- मैंने अपनी वाईफ को 12वीं पास करवाई, फिर, बीए, फिर एमए, और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार- अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रेन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला ट्रेन आएगी तो मर जायेगा, सरदार - साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ। तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का- यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त - क्यों? लड़का- जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, साली 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

शहर की लड़की की शादी गांव में हो गई। लड़की की सास ने उसे भैंस को घास डालने को बोला। भैंस के मुंह मे झाग देख कर लड़की वापस आ गई। सास बोली : क्या हुआ बहू? लड़की बोली- भैंस अभी कोलगेट कर रही है, सास बेहोश?

मां अपने बेटे से- उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से- तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

## कहानी | गणेश विनायक जी

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी मां से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। मां ने कहा कि वहां बहुत भीड़ होगी कहीं गिर जाओगी तो चोट लगेगी। लड़की ने मां की बात नहीं सुनी और मेला देखने चल पड़ी। मां ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घण्टी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांव वाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापिस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि मांगो तुम क्या मांगती हो? लड़की मन में सोचने लगी कि क्या मांगू? अन्न मांगू या धन मांगू या अपने लिए अच्छा वर मांगू या खेत मांगू या महल मांगू! वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुंची तो मां ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

**वृषभ**

मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

**मिथुन**

यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी।

**कर्क**

वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। संतान से कष्ट रहेगा।

**सिंह**

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

**कन्या**

यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें। नए अनुबंध होंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

**तुला**

वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अतः उसका परित्याग करें।

**वृश्चिक**

दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

**धनु**

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। राजकीय काम बनेंगे।

**मकर**

प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

**कुम्भ**

व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। जोखिम न लें।

**मीन**

राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें।

हालीवुड | रिलीज डेट

# हिट कंटेंट बनाना मुश्किल है, लेकिन साफ-सुथरा कंटेंट बनाना उससे भी ज्यादा मुश्किल हो गया है : शिव्या

टी वी पर सीता, राधा और लक्ष्मी जैसे किरदार निभाकर पहचान बनाने वाली शिव्या पठानिया जल्द रियलिटी शो स्पेक्ट्रा में नजर आएंगी। दिलचस्प बात यह है कि जिस दौर में रियलिटी शो की पहचान लड़ाई, विवाद और कंट्रोवर्सी से बनती है...उसी दौर में शिव्या ऐसे शो का हिस्सा बनी हैं, जहां इनमें से कुछ भी नहीं है। हालांकि, शुरुआत में उन्हें खुद भी शक था कि बिना फेक ड्रामे के कोई शो ऑडियंस को बांध पाएगा या नहीं। शिव्या ने कहा, सच कहूं तो शुरुआत में हमें भी यही लगता था कि बिना फाइट्स और फेक ड्रामे के क्या शो लोगों को एंटरटेन कर पाएगा? क्योंकि आजकल हर जगह वही देखने को मिलता है। लेकिन जब हमने इस जर्नी को करीब से जिया तो महसूस हुआ कि लोगों को सिर्फ शोर नहीं चाहिए। लोग असली इमोशंस भी देखना चाहते हैं। कलाकारों की मेहनत, उनकी परेशानियां, उनके रिश्ते और उनके स्ट्रगल भी उतने ही दिलचस्प हो सकते हैं। वैसे, हर चीज को वायरल बनाने के लिए विवाद जरूरी नहीं होता। कई बार सादगी और ईमानदारी ज्यादा गहरा असर छोड़ जाती है। ओटीटी और सोशल मीडिया के दौर में परिवार के साथ बैठकर देखा जा सके, ऐसा कंटेंट बनाना आसान नहीं रह गया है। इस पर शिव्या कहती हैं, आज हिट कंटेंट बनाना मुश्किल है, लेकिन साफ-सुथरा कंटेंट बनाना उससे भी ज्यादा मुश्किल हो गया है। जो चीज सबसे ज्यादा शोर मचाती है, वही सबसे पहले लोगों का ध्यान खींच लेती है। लेकिन अगर कोई परिवार साथ बैठकर कुछ देखता है और बाद में उस पर बात करता है, तो उसका असर अलग होता है। ऐसे कंटेंट की उम्र भी लंबी होती है। शिव्या का सबसे व्यक्तिगत जवाब खुद को लेकर था। सोशल मीडिया पर परफेक्ट दिखने वाली अभिनेत्री मानती हैं कि वह भी कई बार खुद से सवाल करती हैं। वह कहती हैं, सोशल मीडिया पर सब कुछ परफेक्ट दिखता है।

# बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने आ रहे अजय देवगन

अजय देवगन एक बार फिर ऑडियंस को हंसाने के लिए तैयार हैं। वो कॉमेडी ड्रामा धमाल का चौथा पार्ट लेकर आ रहे हैं। फिल्म को लेकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। रिपोर्ट्स हैं कि 12 जून को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होगा और फिल्म 10 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की पूरी उम्मीदें हैं। इससे पहले आई धमाल फ्रेंचाइजी की सभी फिल्मों को फैंस ने काफी पसंद किया था। धमाल फ्रेंचाइजी की तीनों फिल्में जबरदस्त हिट हुई थीं। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, फिल्म ने 32.51 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन किया था। वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म ने 50.19 करोड़ कमाए थे।

फिल्म के दूसरे पार्ट ने 43.88 करोड़ कमाए थे। तीसरे पार्ट ने 154.23 करोड़ कमाए थे। वर्ल्डवाइड फिल्म ने 228.27 करोड़ का बिजनेस किया। बॉक्स ऑफिस इंडिया के मुताबिक, फिल्म का ट्रेलर 3.30 मिनट का होने वाला है। फिल्म में

अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा, जावेद जाफरी, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमाय, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे स्टार्स हैं। इसे इंद्र कुमार डायरेक्ट कर रहे। टी-सीरीज और देवगन फिल्म्स फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे। फिल्म से फर्स्ट लुक पोस्ट रिलीज हो गए हैं। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर को देखकर लगता है कि कहानी समंदर किनारे के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फर्स्ट लुक पोस्ट भी काफी फनी हैं। अजय- रितेश पहाड़ से लटके हैं। अरशद, संजीदा जमीन में गढ़े हैं। फिल्म के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। 2025 में उन्होंने रेड 2, सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 में दिखे थे। अजय देवगन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो धमाल 4 के अलावा फिल्म रेंजर में भी दिखेंगे। ये एक एक्शन एडवेंचर फिल्म होने वाली है। इसके अलावा गोलमाल के नए पार्ट में भी दिखेंगे। इस बार अक्षय कुमार भी इसका हिस्सा बनने वाले हैं।

# फैंस के लिए खुशखबरी, कटरीना कैफ ओटीटी से करेंगी वापसी !

कटरीना कैफ मां बनने के बाद एक बार फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने की तैयारी कर रही हैं। कटरीना अब सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि अब वह ओटीटी पर भी हाथ आजमाने की सोच रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कटरीना ने नई कहानियों की स्क्रिप्ट्स को पढ़ना और उनका चुनाव करना शुरू कर दिया है। वह काफी सोच-समझकर अपने अगले प्रोजेक्ट का फैसला लेंगी। कटरीना 2027 के आखिरी महीनों तक अपनी अगली फिल्म या प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर सकती हैं। वे किसी भी काम में जल्दबाजी नहीं करना चाहती हैं। कटरीना पहली बार किसी वेब सीरीज या डिजिटल प्रोजेक्ट में काम करने की इच्छा जता रही हैं, क्योंकि आज के समय में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स कलाकारों को बेहतरीन मौके दे रहे हैं। एक मां बनने के बाद, कटरीना अब ऐसी भूमिकाएं तलाश रही हैं जो उनके निजी जीवन और काम, दोनों के साथ तालमेल बिठा सकें। कटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 में फिल्म मेरी क्रिसमस में विजय सेतुपति के साथ देखा गया था। तब से वे लाइमलाइट और मीडिया से थोड़ा दूर थीं। कटरीना ने साल 2021 में एक्टर विक्की कौशल से शादी की थी। उन्हें वेलकम, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा और एक था टाइगर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाना जाता है। उनके फैंस अब बड़े पर्दे या ओटीटी पर उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अजब-गजब | ये है एक किडनी वाला गांव

# यहां एक गुर्दे के बदले मिलता है राशन!

अफगानिस्तान में गरीबी और बेरोजगारी ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। यहां का एक गांव अब 'वन किडनी विलेज' के नाम से कुख्यात हो गया है। इस गांव के लोग अपनी जिंदगी चलाने के लिए अपना गुर्दा बेचने को मजबूर हैं। मात्र राशन, आटा-चावल और कर्ज चुकाने के बदले में लोग अपना एक गुर्दा बेच रहे हैं। हेरात प्रांत के पास स्थित इस गांव में सैकड़ों परिवार ऐसे हैं जिन्होंने भूख और कर्ज के बोझ से तंग आकर अपना अंग बेच दिया है। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां के कई युवा और यहां तक कि कुछ महिलाएं भी किडनी बेचकर गुजारा कर रहे हैं। एक गुर्दा बेचने पर उन्हें कुछ हजार डॉलर या फिर राशन सामग्री मिलती है, जिससे कुछ महीनों का खाना तो चल जाता है, लेकिन स्वास्थ्य बर्बाद हो जाता है।

एक स्थानीय निवासी ने बताया कि हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है। कर्ज चुकाने की तंगी है। जब कोई और रास्ता नहीं बचा तो हमने किडनी बेचने का फैसला किया। कई परिवारों ने बताया कि गुर्दा बेचने के बाद भी उनकी हालत नहीं सुधरी। उल्टा अब स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शुरू हो गई हैं। चिकित्सकों के अनुसार एक गुर्दा बेचने के बाद बचे हुए गुर्दे पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। भविष्य में किडनी फेलियर, हाई ब्लड प्रेशर और अन्य गंभीर

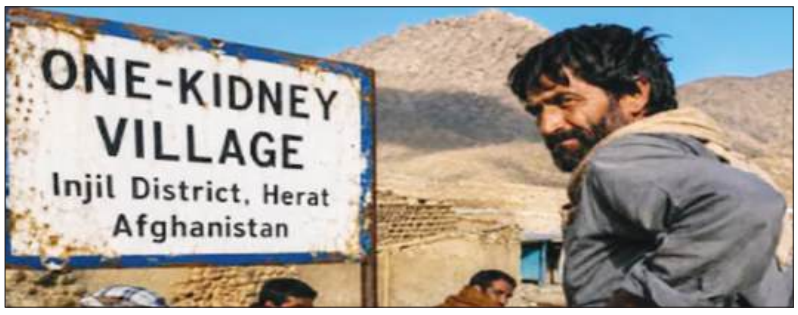


बीमारियां हो सकती हैं। इसके बावजूद मजबूरी में लोग इस रास्ते पर जा रहे हैं। यह घटना अफगानिस्तान की मौजूदा आर्थिक स्थिति को दर्शाती है। तालिबान शासन के बाद अंतरराष्ट्रीय मदद कम हुई है, रोजगार के अवसर नहीं हैं और सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने हालात और खराब कर दिए हैं। गरीब परिवारों के पास ना खेती है, ना नौकरी और ना ही कोई सरकारी सहायता। ऐसे में किडनी ट्रेड एक तरह का व्यवसाय बन गया है। सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इस गांव की खबर फैलने के बाद दुनिया भर में हड़कंप मच गया है। मानवाधिकार संगठनों ने इसकी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह मानव अंगों का अवैध व्यापार है और गरीबी का शोषण है। लेकिन स्थानीय स्तर पर कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गांव में अब ज्यादातर घरों में कम से कम एक व्यक्ति ऐसा है जिसने किडनी बेची है। यही वजह है कि इसे 'वन किडनी विलेज' नाम दिया गया है।

बच्चे भूखे सोते हैं, महिलाएं रोती हैं और पुरुष मजबूरी में अस्पताल जाते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि किडनी बेचने वाले ज्यादातर युवा 20 से 35 साल के बीच के हैं। ऑपरेशन के बाद उन्हें कुछ दिनों में घर भेज दिया जाता है और फिर वे भारी काम पर लग जाते हैं। इससे उनका स्वास्थ्य और तेजी से बिगड़ता है। अंतरराष्ट्रीय संगठन अब इस मुद्दे पर ध्यान दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अफगानिस्तान में अंग व्यापार पर चिंता जताई है। लेकिन तालिबान प्रशासन के साथ समन्वय की कमी के कारण राहत कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

# बाप रे बाप! इतनी भारी बच्चा, उम्र- 5 साल, वजन- 100 किलो, खाने के शौक ने मुसीबत में डाली जान

युगांडा के एक छोटे से गांव में एक ऐसा बच्चा रहता है जिसकी कहानी सुनकर कोई भी हैरान रह जाता है। मात्र 5 साल की उम्र में इस बच्चे का वजन 100 किलो पहुंच चुका है। वह ना सिर्फ अपने देश बल्कि पूरी दुनिया के सबसे भारी बच्चों में शुमार हो गया है। इस बच्चे की दो साल की छोटी बहन का वजन भी 30 किलो है। दोनों भाई-बहन मोटापे की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं और उनका मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सामान्य तौर पर 5 साल का बच्चा करीब 18-20 किलो वजन का होता है, लेकिन यह बच्चा उससे पांच गुना ज्यादा वजन वाला है। उसकी बहन भी उम्र के हिसाब से दोगुने से ज्यादा भारी है। परिवार के अनुसार बच्चा जन्म से ही थोड़ा भारी था, लेकिन पिछले कुछ सालों में उसका वजन तेजी से बढ़ा है। खाने का अत्यधिक शौक और संभवतः कुछ हार्मोनल समस्या इसकी मुख्य वजह बनी। परिवार बताता है कि बच्चा दिन भर कुछ ना कुछ खाता रहता है। वह बहुत ज्यादा मात्रा में चावल, मीट, फल और जंक फूड खाता है। उसके माता-पिता ने कई बार डाइट कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन बच्चा भूखा रहने पर इतना रोता-चिल्लाता है कि उन्हें मजबूरन खाना देना पड़ता है। अब स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि बच्चा चलने-फिरने में भी दिक्कत महसूस करता है। डॉक्टर्स चिंता जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने छोटी उम्र में इतना वजन हृदय, लीवर, सांस की नली और जोड़ों पर भारी बोझ डाल रहा है। अगर समय रहते वजन कंट्रोल ना किया गया तो बच्चे की जान खतरे में पड़ सकती है। युगांडा के स्थानीय अस्पतालों में इस मामले की जांच चल रही है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिर्फ खाने की लत नहीं बल्कि थायरॉइड, पिट्यूटरी ग्लैंड या जेनेटिक समस्या भी हो सकती है। सोशल मीडिया पर इस बच्चे की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद दुनिया भर से लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोग परिवार की मदद के लिए आगे आए हैं, तो कुछ ने मोटापे को लेकर जागरूकता फैलाने की बात कही है। कई यूजर्स ने लिखा, बच्चों को जंक फूड से दूर रखना जरूरी है। जबकि कुछ ने परिवार पर लापरवाही का आरोप भी लगाया। यह मामला अफ्रीका में बढ़ते बचपन के मोटापे की समस्या को भी उजागर करता है। युगांडा समेत कई विकासशील देशों में पोषण की कमी के साथ-साथ अब मोटापे की समस्या भी तेजी से बढ़ रही है। शहरी क्षेत्रों में फास्ट फूड और आलसी लाइफस्टाइल इसकी वजह बन रही है। बच्चे के माता-पिता ने मीडिया को बताया कि वे बहुत परेशान है। उन्होंने डॉक्टर्स की सलाह पर बच्चे की डाइट बदलनी शुरू कर दी है।

# नेहरू के त्याग व योगदान की बराबरी नहीं हो सकती : पवार

## » कांग्रेस के बाद एनसीपी ने बीजेपी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भाजपा द्वारा पीएम नेहरू के कार्यकाल की तूलना पीएम मोदी से करने पर कांग्रेस के बाद एनसीपी शरद पवार ने गुट ने बीजेपी पर करारा वार दिया है। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जवाहरलाल नेहरू की तुलना को खारिज करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण और स्वतंत्रता संग्राम में नेहरू के त्याग और योगदान की बराबरी नहीं की जा सकती। उन्होंने मोदी के लंबे कार्यकाल को स्वीकार किया लेकिन जोर देकर कहा कि नेहरू का स्थान अतुलनीय है और उनके बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता।

**पवार ने की महाजन के बयान की कड़ी आलोचना**

महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता गिरीश महाजन ने आरोप लगाया था कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने सिखों पर अत्याचार किया। पवार ने महाजन के इस बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ऐसा बयान स्वीकार्य नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, उनकी तुलना किसी और से नहीं की जा सकती। महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई के दौरान नेहरू ने कई साल जेल में बिताए। पवार ने मोदी के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, यह अच्छी बात है। संसदीय लोकतंत्र में प्रधानमंत्री का पद संवैधानिक होता है और हमें उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन नेहरू तो नेहरू हैं और भारतीय उनके त्याग को नहीं भूल सकते।'ऑपरेशन ब्लू स्टार इंदिरा गांधी का एक बलिदान था। सिखों ने देश की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के लिए सीमाओं पर काम किया है। कुछ लोगों ने अलग रास्ता चुना। कुछ घटनाएं हुईं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। इंदिरा गांधी ने देश की प्रतिष्ठा और सुरक्षा से कभी समझौता नहीं किया। महाजन ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'काला दिवस' करार देकर और 1984 की सेना की कार्रवाई की तुलना अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के हमले से करके राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है।

### मोदी की ऐसी छवि बनाई गई है कि उनके जैसा कोई नेता नहीं

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप)के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना जवाहरलाल नेहरू से किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के त्याग और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को नहीं भूल सकते। पवार ने राकांपा(शप)के27वें स्थापना दिवसकार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए है और ऐसी छवि बनाई गई है कि उनके जैसा कोई नेता नहीं है। उन्होंने कहा, राष्ट्र निर्माण और स्वतंत्रता संग्राम में नेहरू के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता और उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

# टीएमसी के विलय की बातें बेबुनियाद : जयराम रमेश

## » टीएमसी ने भी खारिज की विलय की खबरें

## » सोनिया-ममता मुलाकात पर कांग्रेस ने तोड़ी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि सोनिया गांधी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की मुलाकात के दौरान टीएमसी के कांग्रेस में विलय पर चर्चा हुई। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ऐसी खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सोनिया गांधी और ममता बनर्जी के बीच हुई मुलाकात बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई थी।

उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से व्यक्तिगत संबंध हैं और मुलाकात के दौरान कई निजी विषयों पर चर्चा हुई। दरअसल, टीएमसी में जारी अंदरूनी खींचतान और कुछ नेताओं की बगावत के बीच मंगलवार को ममता बनर्जी ने दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गईं कि कांग्रेस नेतृत्व ने टीएमसी के कांग्रेस में विलय का प्रस्ताव रखा है।

तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने भी पार्टी के कांग्रेस में विलय की अटकलों को निराधार बताया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि टीएमसी के कांग्रेस में विलय की कोई योजना नहीं है और इस तरह की खबरों का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।

# आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : हैरी ब्रूक बने नंबर-1 बल्लेबाज

## » जो रूट तीसरे स्थान पर खिसके, शुभमन गिल शीर्ष-10 में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने ही देश के स्टार बल्लेबाज जो रूट को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रूट तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। हैरी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 56 रन की अहम पारी खेलकर इंग्लैंड को कम स्कोर वाले मुकाबले में जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके विपरीत जो रूट दोनों पारियों में केवल 1 और 8 रन ही बना सके। इसी प्रदर्शन का असर ताजा रैंकिंग में देखने को मिला और ब्रूक 2024 के बाद पहली बार फिर से नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज बने।

भारत के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार 126 रन की शतकीय पारी खेली। जिससे गिल को रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है और अब वह टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन सात स्थान की छलांग लगाकर टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भी उन्हें फायदा हुआ है। मैच में 18 रन बनाने के बावजूद वह आठवें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गए।

### जो रूट को मिली टीम की कमान, स्टोक्स-एटकिंसन बाहर

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ द ओवल (17 जून) में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। यह फैसला हाल ही में सामने आए नाइटक्लब विवाद के बाद लिया गया। वहीं, अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड का अंतरिम कप्तान नियुक्त किया गया है। रूट इससे पहले 2017 से 2022 के बीच 64 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं और अब एक बार फिर नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्टोक्स फिलहाल टीम प्रोटोकॉल के संभावित उल्लेघन की जांच का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने भविष्य और मौजूदा स्थिति पर विचार करने के लिए कुछ निजी समय और स्थान की मांग की है। ईसीबी, स्वतंत्र क्रिकेट नियामक संस्था और सारासेन्स क्लब अपने-अपने स्तर पर मामले की जांच कर रहे हैं। घटना में सुरक्षा दल का एक सदस्य घायल हुआ था, लेकिन पुलिस को नहीं बुलाया गया और फिलहाल किसी आपराधिक मामले की संभावना नहीं बताई गई है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, स्टोक्स और एटकिंसन दोनों को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर रखा गया है। एटकिंसन की अनुपस्थिति को औपचारिक निलंबन के बजाय खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य और जांच प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए उठाया गया कदम माना जा रहा है।

# कमजोरी में हमेशा वो साथ छोड़ता है जो कायर होता है: इमरान मसूद

## » कांग्रेस सांसद ने टीएमसी के बागी नेताओं व बीजेपी पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों के गुट की एक लिस्ट आई है। इसमें सयानी घोष, युसुफ पठान और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नाम शामिल हैं। इस पर यूपी की सहारनपुर सीट से कांग्रेस के लोकसभा सांसद इमरान मसूद की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि ये कायर लोग हैं। अगर आपको छोड़ना है तो इस्तीफा देकर जाइए, कमजोरी में हमेशा वो साथ छोड़ता है जो कायर होता है, आप विचारधारा के साथ समझौता कर रहे हैं।

जिस विचारधारा के साथ आप जीतकर आए, उसी विचारधारा के खिलाफ वालों के साथ आप हाथ मिला रहे हैं। इमरान मसूद ने आगे कहा, 'बीजेपी ने नई पॉलिटिक्स स्टार्ट कर दी है कि विपक्ष का सफाया करो। विपक्षी भी इनका होगा। नेता प्रतिपक्ष भी यही तय करेंगे कि कौन होगा। इन्होंने नेता प्रतिपक्ष भी बना दिया है। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। हम लोग देश में हो रही लोकतंत्र की हत्या को सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी के अलावा इस लड़ाई को कोई लड़ ही नहीं सकता। राहुल गांधी का झंडा मजबूती के साथ सबको थामना चाहिए। अगर ये कांग्रेस में होते तो ये सब नहीं हो पाता समय रहते सही निर्णय होता तो ये सब नहीं होता।

### ममता बहादुर नेता, अगर वो साथ आएं तो अच्छी बात है

तृणमूल कांग्रेस के कांग्रेस में विलय के मुद्दे पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। इमरान मसूद ने कहा, ममता बनर्जी बहादुर नेता हैं। अगर वो साथ आएं तो इससे अच्छी बात क्या है। लेकिन मुझे जानकारी नहीं है।'

# होम मेकर महिलाओं की मौत पर सुप्रीम फैसला

## » 30 हजार रुपए महीना के हिसाब से तय हो मुआवजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक्सीडेंट में जब किसी इंसान की मौत होती है, तब उसकी कमाई या सैलरी के हिसाब से मुआवजा तय होता है। लेकिन होम मेकर महिलाओं से जुड़े केस में यह मामला उलझ जाता है, क्योंकि होम मेकर महिलाओं की कोई तय कमाई नहीं होती।

अब सुप्रीम कोर्ट ने होम मेकर (गृहिणियों) के मुआवजे को लेकर कहा कि जब किसी दुर्घटना के कारण गृहिणी की मौत हो जाती है, तब उसका मुआवजा तय करते हुए उनके योगदान का आकलन आवश्यक है। इसलिए कोर्ट ने नई गाइडलाइन जारी करते हुए होम मेकर महिलाओं की मौत पर 30 हजार रुपए महीना के हिसाब से मुआवजा तय करने की बात कही।

# भगवान राम पर टिप्पणी मामले में बढ़ीं राहुल गांधी की मुश्किलें

## » एफआईआर खारिज करने का आदेश रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। भगवान राम पर टिप्पणी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर खारिज किए जाने का आदेश रद्द कर दिया गया है। वाराणसी की एक सांसद-विधायक अदालत ने निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज शिकायत खारिज कर दी गई थी। राहुल गांधी के खिलाफ उन टिप्पणियों को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी, जिसमें उन्होंने एक अमेरिकी विवि में भगवान राम को एक पौराणिक और काल्पनिक व्यक्ति बताया था।

मामले से जुड़े वकील हरिशंकर पांडे ने कहा कि शिकायत अमेरिका के बोस्टन में

स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में 2025 में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी के इस बयान से संबंधित है। शिकायतकर्ता के अनुसार राहुल गांधी ने भगवान राम को करुणा, क्षमा और धार्मिकता का प्रतीक करार देते हुए उन्हें एक पौराणिक व्यक्ति बताया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस टिप्पणी से लाखों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

# फिर मिडिल ईस्ट में धधकी युद्ध की आग

## अमेरिका-ईरान के हमले में कई जहाज राख

» ओमान में एक और जहाज पर हमला

» शिप पर भारतीय फंसे, 3 दिन में तीसरा अटैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में एकबार फिर लड़ाई भड़क गई। अमेरिका हमले के बाद ईरान ने भी कुवैत व अन्य देशों पर जवाबी हमला किया। इस बीच भारत के एक जहाज पर भी हमला हुआ है जिसमें दो से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। अमेरिकी सेना ने बुधवार रात दावा किया कि उन्होंने ईरान के कई शहरों को निशाना बनाया है। ईरान के अलग-अलग शहरों से तेज धमाकों की आवाजें भी सुनी गई हैं। इससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामकता के जवाब में की।

वहीं ओमान के शिनास बंदरगाह के पास जहाज एमटी जलवीर भी हमले का शिकार हुआ है। रिपोर्टों के मुताबिक, इस जहाज पर 20 भारतीय नागरिक सवार हैं। जलवीर के इंजन में आग लगने की खबर है। जलवीर के क्रू ने मैसेज जारी किया है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। ईरान द्वारा अमेरिकी हमलों का बदला लेने की धमकी के बाद कुवैत का कहना है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम फायरिंग कर रहे हैं। वहीं एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के हमलों के कारण कुवैत ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है।

### आईआरजीसी ने पलटवार का किया दावा

ईरान की सेना आईआरजीसी ने अमेरिकी हमलों के जवाब में क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया है। हालांकि आईआरजीसी ने विस्तृत जानकारी नहीं दी। बहरीन में सायरनों की आवाजें सुनी गई हैं। इससे पहले ईरान ने अमेरिका के एक सैन्य हेलिकॉप्टर को निशाना बनाकर तबाह कर दिया था, जिसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका सेना को जवाबी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। हालांकि पेंटागन ने स्पष्ट किया कि ये कार्रवाई केवल जवाबी कदम नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य भविष्य में किसी भी तरह की डील या समझौते की शर्तें तय करना भी है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि हमले स्पष्ट और सख्त होंगे और अगर जरूरी हुआ तो आगे भी जारी रह सकते हैं।

### भारतीय दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों से साधा संपर्क

भारतीय दूतावास ने बयान जारी कर बताया है कि उन्हें गुरुवार (11 जून) को शिनास बंदरगाह के पास एक वेसल से संबंधित घटना की सूचना मिली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है. बयान के मुताबिक घटना के बारे में और जानकारी के लिए स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। फिलहाल घटना के कारणों और संभावित प्रभावों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की गई है।

### बहरीन-जॉर्डन में सायरन बजे

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव के चलते कुवैत, बहरीन और जॉर्डन ने सुरक्षा अलर्ट जारी किए हैं। बहरीन में एयर रेड सायरन बजाए गए, जिसके बाद लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने और सरकारी निर्देशों का पालन करने को कहा गया। इस बीच ईरानी अधिकारियों ने अमेरिकी हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने की घोषणा की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया कि उसने ईरान के सैन्य निगरानी तंत्र, संचार नेटवर्क और वायु रक्षा ठिकानों पर आत्मरक्षा के तहत हमले किए हैं।

### होर्मुज से गुजर रहे जहाज पर अमेरिका का हमला, दो भारतीयों की मौत की पुष्टि

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पासओमान तट पर वाणिज्यिक पोत एमटी सेंट्रेबेलो पर हुए हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) अभी भी लापता हैं। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया के महासचिव मनोज यादव ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए एक बड़ा दावा किया है कि अमेरिकी नौसेना बलों को जहाज पर सवार क्रू की राष्ट्रीयता के बारे में 101 प्रतिशत जानकारी थी। विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए बताया है कि जहाज पर सवार 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है, और ओमान स्थित भारतीय दूतावास लापता नागरिकों की खोज के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर रहा है। लापता तीन में दो के मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि लापता चीफ इंजीनियर की तलाश जारी है। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया के महासचिव मनोज यादव ने कहा कि पोत से संपर्क बुरी तरह से बाधित हो गया है और विवरणों की अभी भी पुष्टि की जा रही है।

# टीएमसी से नहीं रूक रहा इस्तीफों का दौर

» शुखेंदु शेखर-सुष्मिता देव के बाद प्रकाश चिक ने दिया रास से त्यागपत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल चुनाव में हार के बाद से ममता बनर्जी की पार्टी में इस्तीफों की झड़ी लगी हुई है। गुरुवार को टीएमसी के एक और राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने इस्तीफा दे दिया। वे जल्द ही राज्यसभा अध्यक्ष से मिलकर अपना इस्तीफा सौंपेंगे। इससे पहले राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव और शुखेंदु शेखर रॉय तृणमूल कांग्रेस और अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। अपने त्यागपत्र में प्रकाश चिक ने लिखा, मैं राज्यसभा सदस्यता से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। कृपया इसे स्वीकार कर लें। मैं उपसभापति और राज्यसभा सचिवालय के सभी पदाधिकारियों का राज्यसभा सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान दिए गए सभी सहयोग और सहायता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

सुष्मिता देव ने बुधवार को राज्यसभा के साथ पार्टी से भी इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे के बाद उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात की, जिसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। इससे पहले 8 जून को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शुखेंदु शेखर रॉय ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि उनका यह फैसला बंगाल में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और जनता के जनादेश को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

### कल्याण बनर्जी ने अभिषेक का केस लड़ने से किया मना

वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में अभिषेक बनर्जी का केस लड़ने से साफ मना कर दिया है। यह मामला विधायकों के हस्ताक्षर मेल न खाने से जुड़ा है। साथ ही, याचिका में गिरफ्तारी जैसी पुलिस की सख्त कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा की भी मांग की गई है। गुरुवार को जस्टिस कौशिक चंदा की सिंगल-जज वेकेशन बेंच के सामने अभिषेक का पक्ष वकील अयान भट्टाचार्य ने रखा। विधायक हस्ताक्षर मिलान मामले में सीआईडी के समन को चुनौती देने वाली अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के दौरान कल्याण बनर्जी अदालत में पेश नहीं हुए। कल्याण बनर्जी ने मीडिया से कहा कि अभिषेक का प्रतिनिधित्व न करने का उनका फैसला न सिर्फ इस मामले में बल्कि किसी भी अन्य मामले में अभिषेक के उनके प्रति अहंकारी व्यवहार के कारण लिया गया है।

### फर्जी हस्ताक्षर मामले में अभिषेक को राहत, गिरफ्तारी पर 3 हफ्ते की रोक

कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को हस्ताक्षर फर्जीवाड़ा मामले में गिरफ्तारी से तीन हफ्ते की अंतरिम राहत दे दी है। पार्टी में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद दूसरे नंबर के नेता माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी को जस्टिस कौशिक चंद्रा ने जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि दिल्ली से लौटने के बाद गुरुवार शाम 6 बजे उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस के सिटी कार्यालय में पेश होना होगा। अदालत ने फैसला सुनाया कि तब तक लोकसभा सांसद के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती। अदालत ने कहा कि इस अदालत का मानना है कि दस्तावेजों को सुरक्षित करने के लिए जांच एजेंसी कानून के अनुसार तलाशी और जब्ती करने के लिए स्वतंत्र है। एजेंसी दो सप्ताह तक बनर्जी के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाएगी। यदि आगे पूछताछ की आवश्यकता होती है, तो एजेंसी 24 घंटे का नोटिस देगी। अदालत ने आगे कहा कि याचिकाकर्ता एजेंसी के साथ सहयोग करेगा, एजेंसी उनसे पूछताछ करने के लिए स्वतंत्र है, जिसके लिए याचिकाकर्ता आवश्यकता पड़ने पर एजेंसी के सामने पेश होगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद मुकर्रर की है।

# रूक नहीं रही मणिपुर में हिंसा, फिर हुई छह हत्याएं

» मैतेई-कुकी संघर्ष जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



इंफाल। मणिपुर में हालिया छह हत्याओं ने एक बार फिर राज्य में जारी जातीय तनाव को उजागर कर दिया है। यह संघर्ष केवल हाल की घटनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि दशकों पुराने भूमि अधिकार, पहचान, आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े विवादों की पृष्ठभूमि में विकसित हुआ है। मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के बीच अविश्वास, उग्रवादी गतिविधियां और प्रशासनिक चुनौतियां शांति बहाली की प्रक्रिया को लगातार जटिल बनाती रही हैं। मणिपुर में शांति बहाली की तमाम कोशिशों के बीच खूनी संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है।

हाल ही में हुई छह लोगों की निर्मम हत्या ने राज्य में पहले से ही सुलग रही आग में घी डालने का काम किया है। मणिपुर में जारी हिंसा कोई अचानक भड़की घटना नहीं है, बल्कि यह दशकों पुराने जातीय अविश्वास, भौगोलिक विभाजन और संसाधनों की लड़ाई का नतीजा है। राज्य में इस तरह की घटनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। मई 23 में शुरू हुआ यह दौर आज 26 में भी जारी है। आइए जानते हैं मणिपुर में संघर्ष का इतिहास क्या है? मणिपुर में राज्य के बीच का जो समतल हिस्सा (इंफाल घाटी) है, वह कुल क्षेत्रफल का सिर्फ दस प्रतिशत है। लेकिन यहां राज्य की करीब 60 प्रतिशत आबादी रहती है। इस आबादी में मुख्य रूप से मैतेई समुदाय के लोग हैं, जो अधिकांश हिंदू हैं। वहीं घाटी को चारों तरफ से घेरने वाले पहाड़ राज्य का 90 प्रतिशत हिस्सा हैं।

### तनाव को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इस घटना की खबर मिलते ही जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान के बाहर सैकड़ों लोगों जमा हो गए। तनाव बढ़ता देख सुरक्षा बलों ने लोगों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। ये लोग उन छह नगा व्यक्तियों के शव लेने के लिए इकट्ठा हुए थे, जिन्हें 13 मई को लेइलोन वैफेई गांव से कथित तौर पर अगवा किया गया था।

## मौसम विभाग की चेतावनी, आज से आंधी-बारिश और ओले गिरेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में आज झमाझम बारिश होने वाली है। 44-45 डिग्री के प्रचंड तापमान और उमस के बीच आज से आंधी, बारिश और कहीं-कहीं तो ओले गिरने की भी चेतावनी है। यूपी, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़ के साथ पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी 11-12 जून को बारिश का अलर्ट है।

साथ ही 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का भी अलर्ट है। दिल्ली, यूपी से पंजाब-हरियाणा तक ओले गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। मॉनसून भी रफ्तार पकड़ते हुए बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों की ओर बढ़ रहा है।

## विजयन की बेटी ने ईडी से पेशी के लिए और मोहलत मांगी

» वीणा टी ने स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



तिरुवंतपुरम। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी ने 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से पूछताछ टालने का अनुरोध किया है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ईडी ने वीणा को शुक्रवार को कोच्चि स्थित अपने कार्यालय में जांच दल के समक्ष पेश होने के लिए समन जारी किया था। हालांकि, सूत्रों के अनुसार वीणा ने हाल में ईडी को ईमेल भेजकर स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला देते हुए अपनी पेशी स्थगित करने का अनुरोध किया है।

उन्होंने एजेंसी को यह भी सूचित किया है कि सभी आवश्यक दस्तावेज जल्द ही उनके वकील के माध्यम से जमा करा दिए जाएंगे। ईडी सूत्रों ने बताया कि एजेंसी उनकी पेशी के लिए नयी तारीख तय करते हुए नया समन जारी करने पर विचार कर रही है। ईडी की जांच उन आरोपों से जुड़ी है जिनके अनुसार सीएमआरएल ने वीणा की स्वामित्व वाली आईटी परामर्श कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को बिना कोई सेवा प्राप्त किए 2.78 करोड़ का भुगतान किया था।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा